

Invited Lecture

An invited lecture is a presentation delivered by an expert or specialist in a particular field, typically at the request of an organization, institution, or conference.

Characteristics:

1. Expertise: Presenter is an authority in the field.
2. Specialized knowledge: Lecture focuses on a specific topic or area.
3. Audience engagement: Encourages discussion, Q&A, and networking.
4. Thought-provoking: Challenges assumptions, presents new ideas, or sparks debate.
5. Inspirational: Motivates and encourages further exploration.

Benefits:

1. Knowledge sharing and dissemination
2. Networking opportunities
3. Exposure to new ideas and perspectives
4. Enhanced credibility and reputation
5. Community engagement and outreach

कार्यालय प्राचार्य, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर,
जिला-सरगुजा, छ0ग0

Ph.No.- 07774-230921, 9425585792, Email - rgpg.apur1960@gmail.com, www.rgpgcapur.in

क्रमांक 675/अतिथि व्याख्यान/2022

अम्बिकापुर, दिनांक 10 / 10 / 2022

प्रति,

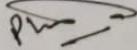
डॉ. ऋषितोष कुमार सिन्हा
वैज्ञानिक (E) फिजिकल रिसर्च लैबोरेट्री,
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान परिषद् (इसरो) अहमदाबाद, गुजरात

विषय:- महाविद्यालय के स्नातक/स्नातकोत्तर छात्र/छात्राओं को रिमोट सेंसिंग एवं
जी.आई.एस.तकनीक पर विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान प्रस्तुतीकरण
बावत्।

-00-

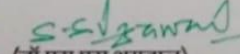
विषयान्तर्गत लेख है कि महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में
नवीन पाठ्यक्रम अंतर्गत रिमोट सेंसिंग एवं जी.आई.एस.संचालित है।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त विषय पर दिनांक 11.10.2022 को 1:30 PM
पर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में उपस्थित होकर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करने का कष्ट
करें।



(डॉ. जे. एन. पाण्डेय)

समन्वयक-इनक्यूबेशन सेंटर



(डॉ. एस. एस. अग्रवाल)

प्राचार्य


राजीव गांधी शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा

क्रमांक 676/अतिथि व्याख्यान/2022

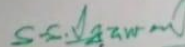
अम्बिकापुर, दिनांक 10 / 10 / 2022

प्रतिलिपि:-

01. समस्त विभागाध्यक्ष.....राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अम्बिकापुर को सूचनार्थ ।
02. समन्वयक, आईक्यूएसी, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
अम्बिकापुर को सूचनार्थ ।
03. स्वशासी प्रकोष्ठ को सूचनार्थ ।
04. लेखा शाखा, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर ।



समन्वयक-इनक्यूबेशन सेंटर



प्राचार्य

राजीव गांधी शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ ग.

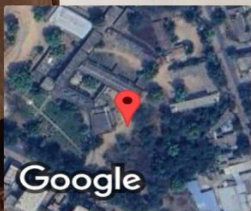
पीजी कॉलेज में एड्स जागरूकता व्याख्यान माला



अम्बिकापुर। पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना व यूथ रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में एड्स जागरूकता व्याख्यान माला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. श्रीकांत चौहान ने एड्स की वजह, पहचान व संक्रमण से बचने के उपाय व उपचार पर विस्तार से जानकारी दे छात्र- छात्राओं के

सवालों का जवाब दिया गया। कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. अनिल सन्हा व प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। अभियान के दौरान हमर क्लीनिक के नोडल अधिकारी नवीन सिंह के अलावा महाविद्यालयीन स्टॉफ भी उपस्थित थे। संचालन राजीव कुमार व आभार प्रदर्शन शशिकला समनानी ने किया।

P.G. COLLEGE AMBIKAPUR
Surguja(C.G.)
SERIES
त माला
ed by
& INTERNSHIP CELL
ENTRE



Google

Ambikapur, Chhattisgarh, India
NH-78, Holy Cross Campus Rd, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.133758°
Long 83.179942°
02/04/24 09:57 AM GMT +05:30

GPS Map Camera







college
found
Government
Google

Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MH+VQC, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.134466°
Long 83.179553°
22/02/22 03:44 PM

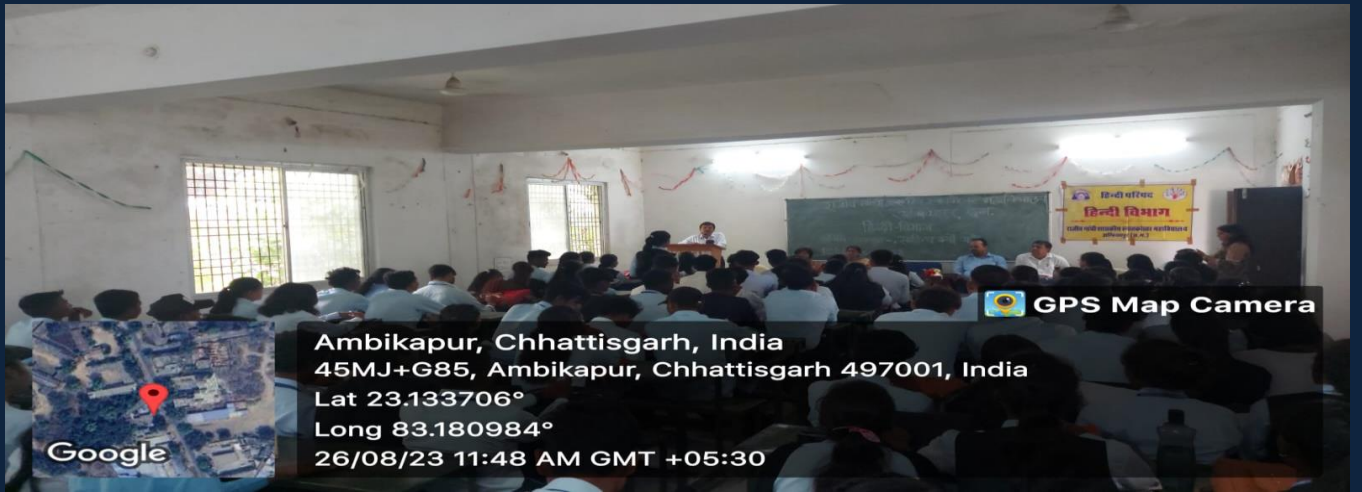
GPS Map Camera



Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MH+VQC, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.134447°
Long 83.179577°
22/02/22 04:27 PM



Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MH+VQC, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.134418°
Long 83.179544°
22/02/22 04:54 PM





Ambikapur, Chhattisgarh, India
 45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
 Lat 23.134043°
 Long 83.180763°
 14/09/23 11:45 AM GMT +05:30

GPS Map Camera





GPS Map Camera



Ambikapur, Chhattisgarh, India
 Surguja, NH-78, Ambikapur Highway, Ambikapur, Ambikapur,
 Chhattisgarh 497001, India
 Lat 23.134108°
 Long 83.17955°
 29/08/23 12:47 PM GMT +05:30

सरगुजा संभाग

www.tarunpath.com

बिलासपुर, बुधवार 30 अगस्त 2023

2

सरगुजा में व्याख्यान माला का आयोजन

अम्बिकापुर/ अंतर्राष्ट्रीय वित्त अन्वेषण वर्ष 2023 के तहत मिलेट्स कोदो, कुटकी, रागी न्वार बाजरा इत्यादि के पोषक वैल्यू व खाद्य सुरक्षा को ध्यान रखते हुए जनमानस में जागरूकता लाकर दैनिक खान पान में शामिल करते हुए उत्पादन, उत्पादकता एवं विपणन को प्रोत्साहित करने भारत सरकार के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में भी आयोजनों का कार्य योजना निर्धारित की गई है। जिसके तहत छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग ने भी महाविद्यालयों को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए दिशा निर्देश प्रदान किया है। इस श्रृंखला में

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर के भूगोल स्नातकोत्तर विभाग द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ रिजवान उल्ल ने कहा कि अच्छी सेहत न केवल हर इंसान के लिए जरूरी है बल्कि देश के सरकार का भी यही विजन है कि कुपोषण



की समस्या दूर हो और पूरा राष्ट्र स्वस्थ हो। मिलेट्स अनाजों के बारे में आज देश में जागरूकता की जरूरत पड़ गई है जबकि हमारे देश के खान-पान के प्रमुख फसल के रूप में जाने जाते रहे हैं।

आर्मानित विषय विशेषज्ञ एवं अतिथि डॉ पीके जायसवाल, कृषि वैज्ञानिक शासकीय कृषि महाविद्यालय अजीरमा ने अपने उद्घोषण में कहा कि

सुरक्षा वास्तव में बहुआयामी अवधारणा है जिसमें भोजन की उपलब्धता हर आदमी तक उसकी पहुंच, उसका सही उपयोग व उसकी सुरक्षा सभी पहलु शामिल हैं। स्वतंत्रता के बाद से लेकर अब तक के 75 सालों के दौरान खाद्यान्न के उत्पादन, पैदावार, फसली क्षेत्र के आंकड़ों पर गौर करें तो पाते हैं की 1960-65 के वर्ष तक भारत को खाद्यान्न अनाज आयात करना पड़ता था, किंतु 2023

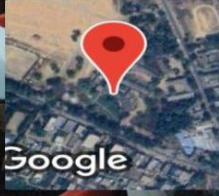
में इसकी प्रगति आशा से भी अधिक है। हमारे देश की सरकार मोटे अनाज जिन्हें श्री अन्न नाम दिया है को लेकर बेहद गंभीर है। न सिर्फ इन अनाजों के उत्पादन, प्रचार प्रसार, रिसर्च मार्केटिंग जैसे कार्यों के लिए भी इसमें बजट के प्रावधानों की घोषणा भी की गई है।

स्वागत उद्घोषण देते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ रमेश जायसवाल ने कहा कि हमारे देश के पहले के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। निश्चय ही मिलेट्स उत्पादन की प्रवृत्तियां बढ़ने से देश को न सिर्फ आर्थिक लाभ बल्कि स्वास्थ्य लाभ भी मिलेगा। व्याख्यान माला की विषयवस्तु प्रस्तुत करते हुए भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर अनिल सिन्हा ने कहा कि अच्छी सेहत न केवल हर इंसान के लिए जरूरी है बल्कि देश के सरकार का भी यही विजन है कि कुपोषण एवं विभिन्न बीमारियों से संबंधित समस्या दूर हो और पूरा राष्ट्र स्वस्थ हो।

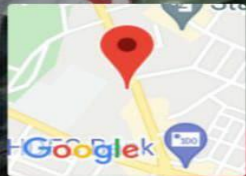
खाद्यान्न समस्या दूर करने के लिए हरित क्रांति की पहल ने छोटे दानों वाले अनाज को हाशिए पर धकेल दिया।

इस अवसर पर भूगोल विभाग के छात्रों ने भी अपने तीन व्याख्यान प्रस्तुत किए। इन छात्रों में पंकज तिवारी, युजेश पांडे, विनीता सिंह, परमेश्वरी, राहुल कुमार, सिंधु इस्माल तिकी ने प्रमुखता से प्रस्तुतीकरण में सहयोग दिया। उनके प्रस्तुत आलेख में कहा गया कि

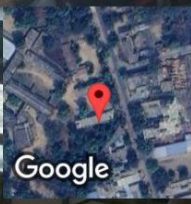
हमारे देश में इन श्री अन्न के उत्पादन को मानव की खाद्य श्रृंखला में शामिल करने से देश में कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी फसले उगाई जा सकती हैं और इन्हें वैकल्पिक आहार के रूप में शामिल किया जा सकता है। हम सभी जानते हैं की कॉर्नफ्लेक्स, दलिया या फड़बर युक्त सामग्री हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना उपयोगी है। निश्चय ही इन मोटे अनाजों के सेवन से शरीर को पर्याप्त ऊर्जा, पाचन तंत्र, हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर और अन्य बीमारियों के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकेगा।



GPS Map Camera
Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MH+HMF, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.133866°
Long 83.179417°
18/08/23 02:22 PM GMT +05:30

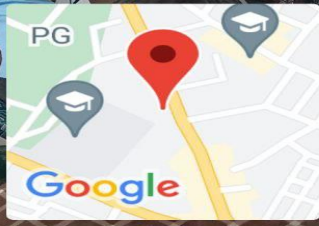


GPS Map Camera
Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.134058°
Long 83.180702°
30/09/21 12:23 PM
मुकुटधर जी पीजी कॉलेज अम्बिकापुर



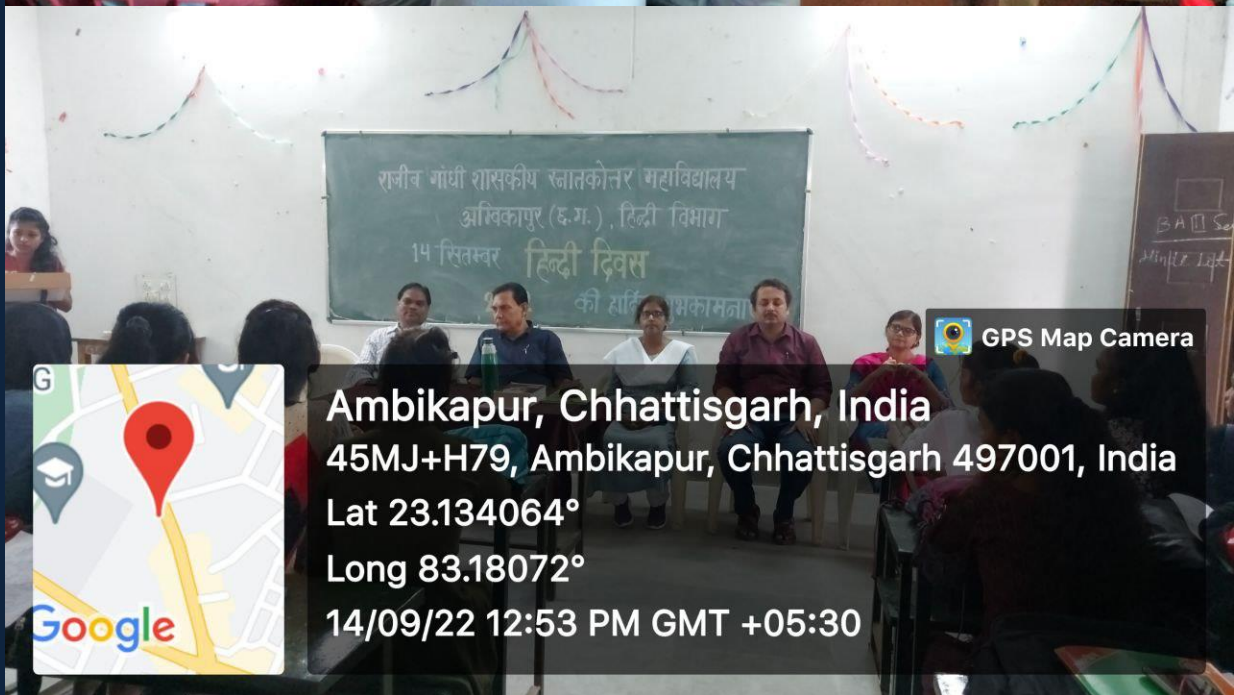
Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.13401°
Long 83.180637°
30/01/24 01:25 PM GMT +05:30

GPS Map Camera



Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MJ+R6X, Banaras Rd, Ambikapur, Chhattisgarh 497001,
India
Lat 23.134522°
Long 83.180468°
19/09/22 09:51 AM

GPS Map Camera



लाइन

हम रहें या ना रहें, बौद्धिक संपदा हमेशा रहेगी-डॉ. एसके त्रिपाठी

पीजी कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार एवं अनुसंधान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बौद्धिक संपदा अधिकार एवं अनुसंधान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में आयोजन किया गया। आईक्यूएसी सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट एंड इनोवेशन विषय पर आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस 09 जनवरी को उद्घाटन सत्र के साथ दो तकनीकी सत्र हुए।

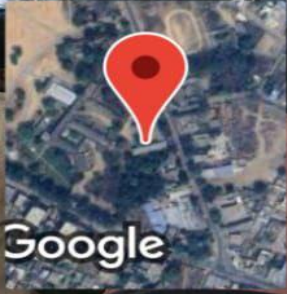
उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. एसके त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य एवं क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा सरगुजा ने इस मौके पर अपने उद्घोष में कहा आज के युग में बौद्धिक संपदा का महत्व बहुत बढ़ गया है। यह संपदा ऐसी संपदा है, जिसे हम अपनी आगे आने वाली पीढ़ी को सौंप सकते हैं, क्योंकि हम रहें या ना रहें पर बौद्धिक संपदा हमेशा रहेगी। डॉ. रामकुमार मिश्र ने आज के परिप्रेक्ष्य में बौद्धिक अधिकार की भूमिका बताते हुए कहा कि बौद्धिक संपदा सबसे मूल्यवान संपत्ति है, क्योंकि यह मानवीय विकास को गति देने वाले तकनीकी नवाचार को पुरस्कृत करती है। अध्यक्षीय उद्घोष में डॉ. रिजवान उल्ला ने वैश्विक स्तर पर बौद्धिक संपदा के



संकेतक ऐसे आयाम हैं जो बौद्धिक संपदा के प्रकारों में जाने जाते हैं। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. राजू मांझी प्राध्यापक विधि संकाय काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने बौद्धिक संपदा अधिकार का प्रतिलिप्याधिकार, कॉपीराइट के विशेष संदर्भ में व्याख्यान प्रस्तुत किया। विधि विभाग के प्राध्यापक माधवेंद्र तिवारी ने विषय विशेषज्ञ का स्वागत किया एवं परिचय कराया। संचालन डॉ. दीपक सिंह एवं रिपोर्टिंग डॉ. तरुण राय ने की। इस दौरान डॉ. राघवेश पांडेय बालोद, राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. खालिद हुसैन, महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रभारी एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. अनिल सिन्हा, स्वशासी सेल के

जायसवाल, कार्यशाला के सचिव प्रोफेसर वृजेश कुमार, डॉ. एसएन पांडेय मंचस्थ थे। द्वितीय तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. सुधीर चतुर्वेदी प्राध्यापक गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भौगोलिक संकेत पर जानकारी प्रदान की। संचालन एवं रिपोर्टिंग डॉ. अजय पाल सिंह, पंकज अहिरवार, पूनम सोनवानी ने की। देव प्रकाश दुबे ने सत्र का सारांश प्रस्तुत किया। कार्यशाला संचालन में तकनीकी सहयोग चेतन कुमार, शशांक विश्वकर्मा, प्रिया पांडेय, अनुभव श्रीवास्तव, सर्वेश पांडेय, पीयूष त्रिपाठी ने दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। ब्लैंडेट मोड पर आधारित इस कार्यशाला में





Google

Ambikapur, Chhattisgarh, India
45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India
Lat 23.133859°
Long 83.180505°
08/12/22 10:28 AM GMT +05:30

कार्यालय प्राचार्य, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0

Off.Tel. No. 07774-230921, 9425585792, E-mail ID- rgpg.apur1960@gmail.com, www.rgpgcapur.in

मनोविज्ञान विभाग

दिनांक 31.01.2023

हैप्पीनेस क्लब

कक्ष क्र.-14

समय : 03.00 बजे

कार्यक्रम विवरण

उद्बोधन	हेमन्त राजपूत (एम.ए. चतुर्थ सेमे. मनोविज्ञान)
स्वागत उद्बोधन	डॉ. तृप्ति बिस्वास (विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान)
उद्बोधन (मुख्य अतिथि)	श्री पूरन दास (फरारि)
उद्बोधन (अध्यक्ष)	डॉ. एस.एस. अग्रवाल (प्राचार्य)
उद्बोधन (विशिष्ट अतिथि)	श्रीमती ममता तिवारी (शिक्षिका आर्ट ऑफ लिविंग)
टी.ब्रेक	
सामुदायिक खेल	
धन्यवाद ज्ञापन	श्रीमती ज्योति लकड़ा

hmvocai
विभागाध्यक्ष
मनोविज्ञान विभाग
30/01/2023

S.S. Agrawal
(डॉ. एस.एस. अग्रवाल)
प्राचार्य
30-01-23
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा